अर्थशास्त्र कक्षा 10वीं

अध्याय - 4

वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था

याद रखने योग्य बातें :-

1. बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ- वह कंपनी जो एक से अधिक देशों में उत्पादन पर नियंत्रण रखती है।
2. वैश्वीकरण अपने देश की अर्थव्यवस्था का संसार के अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं के साथ सामंजस्य स्थापित करना।
3. उदारीकरण सरकार द्वारा अवरोधों और प्रतिबंधो को हटाने की प्रक्रिया को उदारीकरण कहा जाता है।
4. निवेश-परिसंपत्तियों जैसे-भूमि, भवन, मशीन और अन्य उपकरणों की खरीद में व्यय की गई मुद्रा को निवेश कहते हैं।
5. विदेशी निवेश बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा किए गए निवेश को विदेशी निवेश कहते हैं।
6. मुक्त व्यापार - जब दो देशों के बीच व्यापार बिना किसी प्रतिबंध के होता है तो उसे मुक्त व्यापार कहते हैं।
7. निजीकरण - सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को चरणबद्ध तरीके से निजी क्षेत्र में बेचना।
8. डब्लू.टी.ओ. विश्व व्यापार संगठन।
9. विश्व बैंक - अपने सदस्य राष्ट्रों को वित्तीय सहायता देने वाली अन्तर्राष्ट्रीय संस्था।
10. चालू खाता - एक वित्त वर्ष में वस्तुओं तथा सेवाओं के व्यापार के साथ ही भुगतानों का स्थानांतरण।

11. पूंजी खाता – स्टॉक, बांड, भूमि तथा बैंक जमा राशियों की खरीद और बिक्री का अभिलेख।

12. निर्यात कोटा – एक देश द्वारा निर्यात की जाने वाली वस्तुओं की निर्धारित मात्रा।

13. लचीलापन – कानून में सरकार द्वारा ढील जो उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए दी जाती है उसे लचीलापन कहते हैं।

14. सेज (SEZ) विशेष आर्थिक क्षेत्र (Special Economic Zone) जिसका उद्देश्य है विदेशी कम्पनियों को भारत में निवेश के लिए आकर्षित करना।

1 अंक वाले प्रश्न

1. एक कंपनी जो एक से अधिक देशो में उत्पादन पर नियंत्रण अथवा स्वामित्व रखती है, क्या कहलाती है ?
2. भूमि, भवन, मशीन और अन्य उपकरणों की खरीद में व्यय की गई मुद्रा को क्या कहते हैं ?
3. वैश्वीकरण क्या है ?
4. व्यापार अवरोधक का एक उदाहरण दीजिए ?
5. भारत में नई आर्थिक नीति कब लागू की गई ?
6. भारतीय अर्थव्यवस्था कैसी अर्थ व्यवस्था है ?
7. विदेशी व्यापार किनके बीच होता है ?
8. किसी भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनी का उदाहरण दीजिए ?
9. अमरीकी कंपनी फोर्ड मोटर्स भारत कब आई ?
10. किस क्षेत्र को वैश्वीकरण से सब से कम लाभ हुआ है ?
11. बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ विदेशों में निवेश क्यों करती हैं ?
12. वैश्वीकरण के द्वारा लोगों को आपस में जोड़ने का क्या परिणाम होगा ?

लघु/दीर्घ प्रश्न (3/5 अंक)

1. बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ किस प्रकार उत्पादन पर नियंत्रण रखती हैं ?
2. किन कारणों से भारत में आर्थिक सुधार की आवश्यकता पड़ी ?
3. वैश्वीकरण की प्रक्रिया को प्रोत्साहित करने में प्रौद्योगिकी की भूमिका समझाएँ।
4. वैश्वीकरण के कारण प्रतिस्पर्धा के कुप्रभावों का उल्लेख करो ?
5. वैश्वीकरण को न्यायसंगत बनाने के लिए सरकार की भूमिका को स्पष्ट कीजिए ?
6. वैश्वीकरण का लोगों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा है ?
7. भारत सरकार ने स्वतंत्रता के पश्चात विदेश व्यापार और विदेशी विनिमय पर अवरोधक क्यों लगाए ?
8. उदारीकरण तथा वैश्वीकरण की नीति अपनाने के फलस्वरूप भारत में कौन-कौन से मुख्य परिवर्तन आए हैं ?
9. विश्व व्यापार संगठन क्या है ? इसके क्या कार्य हैं ? क्या यह वास्तव में अपने कार्यो को पूरा कर रहा है ?
10. विदेशी व्यापार और विदेशी निवेश में अंतर स्पष्ट करें।
11. विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए क्या कदम उठाए गए है ?

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. बहुराष्ट्रीय कंपनी
2. निवेश
3. विभिन्न देशों के बीच परस्पर संबंध और तीव्र एकीकरण की प्रक्रिया ही वैश्वीकरण है।

4. आयात पर कर

5. 1991 में

6. मिश्रित

7. दो या दो से अधिक देशों के बीच

8. टाटा मोटर्स (मोटर गाड़ियाँ)

9. 1995 में

10. कृषि क्षेत्रक

11. अधिक लाभ के लिए

12. उत्पादकों में पहले से अधिक प्रतियोगिता।

लघु / दीर्घ प्रश्नों के उत्तर

1. उत्पादन पर नियंत्रण करने की विधियाँ

   1) संयुक्त उपक्रम विधि

   2) स्थानीय कम्पनियों को खरीदना।

   3) छोटे उत्पादकों से माल खरीदना।

   4) अपने ब्रांड का इस्तेमाल करके।

2. 1) राजकोषीय घाटे में वृद्धि

   2) प्रतिकूल भुगतान संतुलन में वृद्धि

   3) विदेशी मुद्रा भंडार में कमी

   4) कीमतों में वृद्धि

   5) सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों का कार्य संतोषजनक न होना।

   6) भारतीय कम्पनियों को प्रतिस्पर्धा के लिए तेयार करना।

3. 1) परिवहन तकनीक में कई सुधारों ने दूर-दूर स्थानों पर कम लागत पर वस्तुओं को भेजना संभव बनाया है।

2) सूचना प्रोद्यौगिकी में सुधार से विभिन्न देश आपस में जुड़कर तुरंत सूचना प्राप्त कर लेते हैं।

3) इंटरनेट टैक्नालोजी से व्यापार में गति आई है।

4. कुप्रभाव

1) प्रतिस्पर्धा के कारण छोटे उद्योगों जैसे बैटरी, प्लास्टिक, खिलौने, टायरों आदि के उत्पादकों पर बुरा प्रभाव पड़ा। फलस्वरूप काफी इकाइयाँ बंद हो गईं।

2) श्रमिकों की बेरोज़गारी में वृद्धि।

3) श्रमिकों को अस्थाई आधार पर नियुक्त किया गया।

4) श्रमिकों को संरक्षण और लाभ नहीं मिल रहा।

5) श्रमिकों का अधिक घंटों तक काम करना आम बात हो गई।

5. सरकार की भूमिका -

1) वैश्वीकरण की नई नीति के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था को विश्व अर्थव्यवस्था से जोड़ने का प्रयत्न किया गया ताकि पूँजी, तकनीकी ज्ञान और अनुभव का विश्व के विभिन्न देशों से आदान-प्रदान हो सके।

2) सरकार ने माल के आयात पर से अनेक प्रतिबन्ध हटा दिए।

3) आयातित माल पर कर कम कर दिए।

4) विदेशी निवेशकों को भारत में निवेश के लिए प्रोत्साहन दिया गया।

5) तकनीकी क्षेत्र को हर ढंग से उन्नत करने का प्रयत्न किया गया।

6. 1) उपभोक्ताओं के सामने पहले से अधिक विकल्प हैं।

2) उपभोक्तओं को कम कीमत पर अधिक गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध हो रहे हैं।

3) लोग पहले की तुलना में आज उच्चतर जीवन स्तर का मजा ले रहे हैं।

4) उद्योगों और सेवाओं में नये रोज़गार उत्पन्न हुए हैं।

5) उद्योगों को कच्चे माल इत्यादि की आपूर्ति करने वाली स्थानीय कंपनियाँ समृद्ध हुई हैं।

7. 1) विदेशी प्रतिस्पर्धा से देश के उत्पादकों की रक्षा करना।

2) स्वतंत्रता से पहले अंग्रेजो ने भारतीय उद्योग धन्धों को चौपट कर दिया था। स्वतंत्रता के बाद यहाँ भारतीय उद्योग स्थापित किए गए। उद्योगों के विकास के लिए विदेशी व्यापार पर रोक आवश्यक थी।

3) स्वतंत्रता के बाद भारत 562 टुकड़ों में बंटा हुआ था। यहाँ परिवहन तथा संचार के साधन अस्त व्यस्त थे।

4) स्वतंत्रता के शुरूआती वर्षों में भारत के वैदेशिक संबंध इतने सुदृढ़ नहीं बन पाए थे कि विश्व के अन्य देशों के साथ व्यापार विकसित हो सके।

8. 1) उदारीकरण तथा वैश्वीकरण की नीति अपनाने के फलस्वरूप निजी निवेश बढ़ने का अधिक अवसर मिला।

2) विदेशी विनिमय कोष (भंडार) बढ़ गया।

3) आई टी उद्योग का विस्तार हुआ।

4) सरकारी राजस्व में वृद्धि।

9. 1) विश्व व्यापार संगठन (डब्लू टी ओ) एक ऐसा संगठनहै जिसका उद्देश्य अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को उदार बनाना और मुक्त व्यापार की सुविधा देना है।

2) कार्य : विश्व व्यापार संगठन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से संबंधित नियमों को निर्धारित करता है और यह देखता है कि इन नियमों का पालन हो रहा है अथवा नहीं।

3) वास्तविकता - विकसित देशों ने अनुचित ढंग से व्यापार अवरोध को बरकरार रखा है। दूसरी ओर विश्व व्यापार संगठन के नियमों ने विकासशील देशों को व्यापार अवरोधों को हटाने के लिए विवश किया है।

10. 1)★ **विदेशी व्यापार** :- विदेशों से वस्तुओं को खरीदने और बेचने को विदेशी व्यापार कहते हैं।

★ **विदेशी निवेश** :- अधिक लाभ कमाने के उद्देश्य से जब बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ मेजबान देश में धन से उत्पादन इकाई की स्थापना करती है, उसे विदेशी निवेश कहते हैं।

★ इसके अन्तर्गत आयात और निर्यात की दोनों प्रक्रियाएँ शामिल होती हैं।

★ विदेशी निवेश में बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा किया गया पूँजी निवेश आता है।

★ यह उत्पादन के लिये अवसर प्रदान करता है।

★ यह पूँजी की कमी को दूर करता है।

11. 1) औद्योगिक क्षेत्रों जिन्हें विशेष आर्थिक क्षेत्र कहा जाता है की स्थापना की जा रही है।

2) विशेष आर्थिक क्षेत्रों में विश्व स्तरीय सुविधाएँ, बिजली, पानी, सड़क, परिवहन, भण्डारण, मनोरंजन और शैक्षिक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं।

3) विशेष आर्थिक क्षेत्र में उत्पादन इकाइयाँ स्थापित करने वाली कंपनियों को आरंभिक पाँच वर्षों तक कोई कर नहीं देना पड़ता है।

4) विदेशी निवेश आकर्षित करने हेतु सरकार ने श्रम-कानूनों में लचीलापन लाने की अनुमति दे दी है।